

एजुकेशन क्वालिटी सुधारेगी सरकार

एक राज्य के अच्छे सिस्टम को
दूसरे राज्यों में लागू किया जाएगा

Poonam.Pandey@timesgroup.com

■ नई दिल्ली : एजुकेशन क्वालिटी सुधारने और पारदर्शिता लाने के लिए एचआरडी मिनिस्ट्री ने एक राज्य के अच्छे सिस्टम को दूसरे राज्यों से शेर करके और उन्हें लागू करने के लिए मदद करने की पहल की है। रीजनल मीटिंग्स के जरिए राज्यों की अच्छी प्रैक्टिस को दूसरे राज्यों को बताया जाएगा।

ऑनलाइन डेटा की सीख राजस्थान से :

मिनिस्ट्री के एक अधिकारी के मुताबिक अलग-अलग राज्यों में एजुकेशन का स्तर सुधारने के लिए अच्छी पहल की गई है। अब मिनिस्ट्री इसे एक जगह से दूसरे जगह पहुंचाने का जरिया बन रहा है। उन्होंने बताया कि राजस्थान में स्कूल लेवल के सभी डेटा को ऑनलाइन किया है, जिसमें स्टूडेंट्स का डेटा, टीचर्स का डेटा, परफॉर्मेंस सभी जानकारी ऑनलाइन उपलब्ध हैं। दूसरे राज्यों को भी इसके लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है। मिनिस्ट्री के अधिकारी के मुताबिक राजस्थान को इस मामले में मॉडल स्टेट की तरह दूसरे राज्यों के सामने पेश किया जाएगा और राजस्थान के अनुभवों से उन्हें सीखने के लिए कहा जाएगा।

स्कूलों का एडमिनिस्ट्रेटिव लेवल पर मर्जर : उन्होंने बताया कि राजस्थान ने ही एक और अच्छा एक्सपेरिमेंट किया है। वहां एक ही एरिया में चल रहे अलग-अलग स्कूलों को एडमिनिस्ट्रेटिव लेवल पर एक कर दिया गया है। जैसे एक ही एरिया में कुछ प्राइमरी स्कूल, कुछ सीनियर सेकेंडरी स्कूल या इंटर कॉलेज चल रहे थे। इन्हें

**रीजनल
मीटिंग के जरिए
शेर होंगे गुड
आइडिया**



एजुकेशन क्वालिटी सुधारने के लिए एक राज्य के अच्छे सिस्टम को दूसरे राज्यों में लागू किया जाएगा

मिनिस्ट्री ने गुड आइडिया की जो लिस्ट बनाई है, उसमें कर्नाटक का ह्यूमन रिसोर्स मैनेजमेंट सिस्टम भी है। मिनिस्ट्री के अधिकारी के मुताबिक इस सिस्टम में टीचर्स की रिक्रूटमेंट और ट्रांसफर सब पारदर्शी तरीके से की जाती है। मिनिस्ट्री चाहती है कि बाकी राज्य भी इसी तरह का सिस्टम बनाएं और लागू करें। मिनिस्ट्री की तरफ से यह भी कहा गया है कि अगर किसी राज्य को कोई सिस्टम लागू करने में मिनिस्ट्री की मदद की जरूरत है तो मदद दी जाएगी।

एडमिनिस्ट्रेटिव लेवल पर एक ही हेड के अंडर कर दिया गया है, जिससे इन सभी स्कूलों का इंफ्रास्ट्रक्चर, रिसोर्स सब एक-दूसरे से शेर हो पा रहे हैं। जहां टीचर्स की कमी थी, उसे दूसरे स्कूल के जरिए पूरा किया जा रहा है। इसका एक और फायदा दिख रहा है कि स्टूडेंट को एक लेवल से दूसरे लेवल पर जाने के लिए अलग से पूरी एडमिशन प्रोसेस से नहीं गुजरना पड़ रहा। **गुणोत्सव के विस्तार की कोशिश :** मिनिस्ट्री के अधिकारी के मुताबिक गुजरात

के गुणोत्सव को दूसरे राज्यों में भी लागू करने के लिए रीजनल मीटिंग के जरिए उन्हें इस बारे में बताया जाएगा। गुणोत्सव में साल में एक बार अलग-अलग विभागों के सीनियर अधिकारी अलग-अलग स्कूलों में जाते हैं और वहां बच्चों से इंटरैक्शन करते हैं। इस दौरान इसका मूल्यांकन भी किया जाता है कि बच्चे स्कूल में कितना सीख पा रहे हैं। जिसके बाद वह अपना फीडबैक देते हैं। इस आधार पर आगे काम किया जाता है।